यूटीयू : बिना विषय योग्यता जांची कापियों का होगा पुनर्मूल्यांकन

यूटीयू विवि ने संबद्ध संस्थानों के प्राचार्यों को जारी किए निर्देश

- उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच करवाने के लिए योग्य शिक्षकों के मांगे नाम
- अयोग्य शिक्षकों से कापी जांच करवाने वाले संस्थानों पर की जाएगी कार्रवाई

जागरण संवाददाता, देहरादून: वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) से संबद्ध संस्थानों में बिना विषय योग्यता वाले शिक्षकों से कराई गई परीक्षा कापियों की जांच अब संस्थानों पर भारी पड़ सकती है। विश्वविद्यालय ने ऐसे सभी शिक्षकों का मूल्यांकन कार्य निरस्त कर दिया है और पुनर्मूल्यांकन कराने का निर्णय लिया है। साथ ही दोषी संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी भी शुरू कर दी है।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल ने इस संबंध में सभी संबद्ध संस्थानों के निदेशकों और प्राचार्यों को पत्र भेजकर स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी संस्थानों को यह निर्देशित किया गया था कि केवल संबंधित विषय में न्यूनतम अर्हता रखने वाले शिक्षकों को ही मूल्यांकन कार्य के लिए नामित किया जाए। इसके बावजूद कई संस्थानों ने नियमों की अनदेखी करते हुए, अयोग्य शिक्षकों को कापी जांचने में लगा दिया। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि इन शिक्षकों के मूल्यांकन कार्य को न केवल अमान्य किया गया है, बल्कि उन्हें किसी भी प्रकार का भुगतान भी नहीं किया जाएगा।

वहीं, संस्थानों की लापरवाही को गंभीर मानते हुए विश्वविद्यालय ने उनके खिलाफ संविधानिक और प्रशासनिक कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी है। अब इन विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा जांच कराई जाएगी।

इसके लिए विश्वविद्यालय ने सभी संबद्ध संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वे केवल योग्य शिक्षकों के नाम पुनः प्रस्तुत करें, ताकि मूल्यांकन कार्य निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा हो सके।